॥ ओ३म् ॥

गुरुकुल काँगड़ी (समविश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखण्ड, भारत

Gurukula Kangri (Deemed to be University)

Haridwar, Uttrakhand Bharat



राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) वर्ष 2020 पर आधारित

एम.ए. वैदिक साहित्य

वेद विभागीय पाठ्यक्रम

National Education Policy (NEP) - 2020

M.A.- Vedic Literature

Department of Veda

शैक्षणिक सत्र - 2026-27 से प्रभावी

Implemented from Academic Session - 2026-27

पाठ्यक्रम समिति (BOS)

अध्यक्ष	-	**प्रो. दिनेशचन्द्र शास्त्री** अध्यक्ष वेद विभाग
विषय विशेषज्ञ	-	**प्रो. बलवीर आचार्य** पूर्व अध्यक्ष संस्कृत विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक।
विषय विशेषज्ञ	-	**प्रो. वीरेन्द्र अलंकार** पूर्व अध्यक्ष महर्षि दयानन्द चैयर, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ।
संयोजक	-	**डॉ. दीनदयाल** प्रभारी, वेद-विभाग, गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार।
सह- संयोजक	-	**डॉ. रामचन्द्र मेघवाल** सहायकाचार्य, वेद-विभाग, गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय, हरिद्वार।

पाठ्यक्रम विभाजन (Distribution of Course)

2 YEARS EXIT WITH LEVEL 6.5	**जो छात्र तीन वर्ष की स्नातक उत्तीर्ण करके एम. ए. में प्रवेश लेंगे। उनके लिए एम.ए. 2 वर्ष की होगी। जिसमें चार सेमेस्टर परिक्षाएं होगी। द्वितीय वर्ष में छात्र Coursework /Coursework + Research / Only research कर सकता है। जिसका प्रारूप नीचे दिया गया है। यदि छात्र प्रथम वर्ष पास करके पाठ्यक्रम को छोडता है तो छात्र LEVEL 6 (PG DIPLOMA) प्राप्त करेगा।**
1 YEAR EXIT WITH LEVEL 6.5	**जो छात्र चार वर्ष की स्नातक उत्तीर्ण करके एम. ए. में प्रवेश लेंगे। उनके लिए एम.ए. 1 वर्ष की होगी। यहाँ छात्र को तीन विकल्प प्राप्त होंगे।**

Only Coursework	Coursework + Research	Only Research

Only Coursework

Semester	DSC (Paper X Credit)	DSE (Paper X Credit)	Practical	Total Credit	Exit Option (With Diploma and Degree)
I	4x4	--------	4	20	PG Diploma Exit After 1st Year
II	2x4	2x4	4	20	
III	2x4	2x4	4	20	PG Degree Exit After 2nd Year
IV	2x4	2x4	4	20	

Coursework + Research

Semester	DSC	DSE	Practical	Total Credit	Exit Option (With Diploma and Degree)
III	2x4	2x4	4	20	PG Degree Coursework With Research
IV	Research (Dissertation)			20	

Only Research

One Year	Research (Dissertation) With Special Contant	40	PG Degree Only Research After Dissertation Submmision

नोट- सम्बन्धित पाठ्यक्रम की परीक्षाएं विश्वविद्यालय के नियमानुसार सम्पन्न कराई जायेंगी।

STRUCTURE- 1

M.A. Vedic Literature

COURSE STRUCTURE 2 YEARS (ONLY COURSEWORK)

Year	Sem.	S.N.	Classification	Paper Code	Course's Name	Credit	Page No.
1	I	1	DSC	MVL26-C101	Dayanand Darshan (A)	4	6
		2	DSC	MVL26-C102	Vedon Me Vigyan	4	7
		3	DSC	MVL26-C103	Arya Parva Evam Ashram	4	8
		4	DSC	MVL26-C104	Sanskrit Bhasha Gyan	4	9
		5	Practical	MVL26-C151	Practical-I	4	10
	II	1	DSC	MVL26-C201	Dayanand Darshan (B)	4	11
		2	DSC	MVL26-C202	Bhasha Vigyan	4	12
		3	DSC	MVL26-C203	Aranyak Sahitya	4	13
		4	DSC	MVL26-C204	Upanishad Sahitya	4	14
		5	Practical	MVL26-C251	Practical-II	4	15
2	III	1	DSC	MVL26-C301	Rigveda	4	16
		2	DSC	MVL26-C302	Yajurveda	4	17
		3	DSE	MVL26-E303	Manusmriti (A) — किसी एक विषय का चयन करें	4	18
				MVL26-E304	Vedanga Jyotish — किसी एक विषय का चयन करें	4	19
		4	DSE	MVL26-E305	Nirukta — किसी एक विषय का चयन करें	4	20
				MVL26-E306	Vaidika Nibandh — किसी एक विषय का चयन करें	4	21
		5	Practical	MVL26-C351	Practical-III	4	22
	IV	1	DSC	MVL26-C401	Samaveda	4	23
		2	DSC	MVL26-C402	Atharvaveda	4	24
		3	DSE	MVL26-E403	Manusmriti (B) — किसी एक विषय का चयन करें	4	25
				MVL26-E404	Vaidika Dharm — किसी एक विषय का चयन करें	4	26
		4	DSE	MVL26-E405	Brahman Granth — किसी एक विषय का चयन करें	4	27
				MVL26-E406	Vaidika Darshan — किसी एक विषय का चयन करें	4	28
		5	Practical	MVL26-C451	Practical-IV	4	29

COURSE COMPLETION : PG WITH COURSEWORK

पाठ्यक्रम समिति (BOS) सदस्यों के हस्ताक्षर

प्रो. दिनेशचन्द्र शास्त्री	प्रो. बलवीर आचार्य	प्रो. वीरेन्द्र अलंकार	डॉ. दीनदयाल	डॉ. रामचन्द्र मेघवाल

STRUCTURE- 2

M.A. Vedic Literature

COURSE STRUCTURE 2 (LEVEL 6.5)
ONE YEAR (COURSEWORK + RESEARCH)

Year	Semester	S.N.	Classification	Paper Code	Course's Name	Credit	Page No.
1	I	1	DSC	MVL26-C301	Rigveda	4	15
		2	DSC	MVL26-C302	Yajurveda	4	16
		3	DSE	MVL26-E303	Manusmriti (A)	4	17
			DSE	MVL26-E304	Vedanga Jyotish	4	18
		4	DSE	MVL26-E305	Nirukta	4	19
			DSE	MVL26-E306	Vaidika Nibandh	4	20
		5	Practical	MVL26-C351	Practical-III	4	21
	II		Research (Dissertation) (Project) (Patent)	MVL26-D471	Dissertation) (Project) (Patent)	20	

किसी एक विषय का चयन करें

किसी एक विषय का चयन करें

COURSE COMPLETION : PG WITH COURSEWORK + RESEARCH

STRUCTURE- 3

COURSE STRUCTURE 3 (LEVEL 6.5)
ONE YEAR (ONLY RESEARCH)

Year	Classification	Paper Code	Course's Name	Credit	Page No.
1	Research (Dissertation) (Project) (Patent)	MVL26-R471	One Intensive Problem Based Research	40	

The following outcomes must be achieved by the end of IVth Semester

1. Dissertation/Project Report certified by the Supervisor and Head of the Department.
2. Attained at least one of the following outcomes:
   (a) Developed a prototype or product which meets the Technology Readiness
   (b) Publication in WoS/Scopus indexed journals or the journals recommended by the concerned Department; having the student as the first author and Supervisor (s) as corresponding author (s)
   (c) Patent
   (d) Publication of Book by Reputed National/International Publisher

Any other specific and measurable research achievement as recommended by the BOS

COURSE COMPLETION : PG WITH ONLY RESEARCH

पाठ्यक्रम समिति (BOS) सदस्यों के हस्ताक्षर

प्रो. दिनेशचन्द्र शास्त्री	प्रो. बलवीर आचार्य	प्रो. वीरेन्द्र अलंकार	डॉ. दीनदयाल	डॉ. रामचन्द्र मेघवाल

Program Outcomes (POs)

PO1	विद्यार्थी वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् तथा अन्य वैदिक ग्रंथों के स्वरूप एवं महत्व को समझ सकेंगे।
PO2	विद्यार्थी वैदिक साहित्य की भाषा, शैली तथा प्रमुख वैदिक अवधारणाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
PO3	विद्यार्थी वैदिक संस्कृति, सभ्यता एवं जीवन-मूल्यों का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
PO4	विद्यार्थी वैदिक मंत्रों, सूक्तों एवं उनके दार्शनिक, नैतिक तथा सामाजिक पक्षों की व्याख्या कर सकेंगे।
PO5	विद्यार्थी वैदिक साहित्य में निहित वैज्ञानिक, शैक्षिक एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण का अध्ययन एवं मूल्यांकन कर सकेंगे।
PO6	विद्यार्थी वैदिक साहित्य के आधार पर नैतिकता, चरित्र-निर्माण एवं मानव कल्याण के सिद्धांतों को आत्मसात कर सकेंगे।
PO7	विद्यार्थी वैदिक साहित्य एवं भारतीय ज्ञान-परंपरा के पारस्परिक संबंधों को समझ सकेंगे।
PO8	विद्यार्थी वैदिक साहित्य के अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु आवश्यक आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगे।
PO9	विद्यार्थी वैदिक ज्ञान एवं मूल्यों को समकालीन समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत एवं अनुप्रयुक्त कर सकेंगे।
Program Specific Outcomes (PSOs)	
PSO1	विद्यार्थी वैदिक साहित्य के प्रमुख ग्रंथों, सिद्धांतों एवं वैदिक संस्कृति के मूल तत्त्वों का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर उनकी व्याख्या एवं विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
PSO2	विद्यार्थी वैदिक साहित्य में निहित नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं वैज्ञानिक विचारों को समझकर उन्हें समकालीन जीवन एवं समाज के विकास में लागू करने में सक्षम होंगे।

Title of the Course :- Dayanand Darshan (A)		Course Code : MVL26-C101
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	स्वामी दयानन्द के विशिष्ट गुण एवं प्रतिभा का ज्ञान होगा।
CO2	बाल शिक्षा से संबन्धित जानकारी प्राप्त होगी।
CO3	ईश्वर और सृष्टि के स्वरूप की जानकारी बढेगी।
CO4	आचार, व्यवहार और आहार- विहार की समझ विकसित होगी।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	स्वामी दयानन्द जीवन चरित्र (आत्मकथा)	14	6	-	20
2	सत्यार्थ प्रकाश द्वितीय	12	6	-	18
3	सत्यार्थ प्रकाश तृतीय समुल्लास	7	3	-	10
4	सत्यार्थ प्रकाश दशम समुल्लास	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. सत्यार्थ प्रकाश- स्वामी दयानन्द सरस्वती- आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट दिल्ली।
2. सत्यार्थ भास्कर- स्वामी विद्यानन्द सरस्वती – रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत हरियाणा
3. स्व लिखित चरित्र- स्वामी दयानन्द सरस्वती- आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट दिल्ली।
4. पूना प्रवचन- स्वामी दयानन्द सरस्वती- आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट दिल्ली।
5. श्रीमद्दयानन्द प्रकाश- स्वामी सत्यानन्द, गुरुकुल झज्जर, हरियाणा।
6. स्वामी दयानन्द की दृष्टि- स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती, घुडमल प्रह्लाद धर्माथ न्यास हिण्डोन सिटि राजस्थान

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	1	1	3	2	-	3	3	1	2	3	3
CO2	-	-	2	1	3	2	1	1	3	1	3
CO3	3	2	2	3	1	2	3	2	1	3	2
CO4	-	-	3	2	1	3	2	1	3	2	3

Title of the Course :- Vedon me Vigyan		Course Code : MVL26-C102
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	विज्ञान की प्राचीन परमपराओं का ज्ञान होगा।
CO2	प्राचीन ऋषियों के सूत्रों से विज्ञान की नवीन विचारधारा का विकास होगा।
CO3	वास्तु विज्ञान का सम्यक् ज्ञान और शिल्प क्षेत्र प्राचीन सिद्धान्तों का ज्ञान होगा।
CO4	वनस्पति के ज्ञान से आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान का स्तर विकसित होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	वेदों में भौतिकी	14	6	-	20
2	वेदों में रसायन विज्ञान	12	6	-	18
3	वेदों में भूगर्भ विज्ञान व शिल्प	7	3	-	10
4	वेदों में जन्तु विज्ञान एवं वनस्पति शास्त्र	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. वेदों में विज्ञान - डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्व भारती अनुसंधान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही (उ॰प्र॰)।
2. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका - स्वामी दयानन्द सरस्वती।
3. वैदिक सृष्टि उत्पत्ति रहस्य - डॉ॰ विष्णुकान्त वर्मा, रायपुर, छत्तीसगढ़
4. सृष्टि- विज्ञान आत्माराम अमृतसरी ,गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, दिल्ली।
5. वेद विज्ञानामृतम्- पद्मशास्त्री, देवनागर प्रकाशन, जयपुर।
6. वैदिक विचारधारा का वैज्ञानिक आधार - सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, दिल्ली।
7. वेदविज्ञान- कर्पूर चन्द्र कुलिश।
8. वेदों में विज्ञान- डॉ॰ बलराम शर्मा।
9. वैदिक वाङ्मय में विज्ञान- डॉ॰ रामेश्वर दयालु गुप्ता।
10. वेदों की वैज्ञानिक अवधारणा- शिवनारायण उपाध्याय।

15.**Vedic Mathematics -** Bharti Krishan Teerth (सम्पा॰ वासुदेव शरण अग्रवाल), मोतीदास बनारसी लाल दिल्ली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	2	2	2	1	3	1	3	2	1	3	2
CO2	2	3	1	1	3	1	2	3	3	2	3
CO3	1	2	2	-	3	1	3	2	3	2	3
CO4	1	2	1	-	3	1	2	3	3	2	3

Title of the Course :- Vaidik Sahitya Parichaya		Course Code : MVL26-C103
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	संहिता एवं ब्राह्मण ग्रन्थों के अध्ययन से प्राचीन ज्ञान के स्रोतों का ज्ञान होगा।
CO2	आरण्यक उपनिषद् एवं वेदांग के परिचय से जीवन के बहुमूल्य ज्ञान प्राप्ति के स्रोत मिलेंगे।
CO3	सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं भौगोलिक इन विषयों के परिचय प्राचीन कालीन सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक व्यवस्था तथा भौगोलिक तन्त्र का बोध होगा।
CO4	वैदिक देवों का यथार्थ ज्ञान होगा। यज्ञ के स्वरूप का यथार्थ बोध होगा तथा यज्ञ से समुचित लाभ प्राप्त किया जा सकेगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	वेदों का महत्त्व वैदिक संहिताओं एवं ब्राह्मण ग्रन्थों का सामान्य परिचय	14	6	-	20
2	आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांग साहित्य का सामान्य परिचय	12	6	-	18
3	सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं भौगोलिक विषयों का परिचय	7	3	-	10
4	वैदिक देवों का स्वरूप एवं महत्त्व, यज्ञ मीमांसा परिचय	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. वेदों में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक जीवन - डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धन ज्ञानपुर भदोही (उ॰प्र॰)।
3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ॰ बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा दिल्ली।
4. वैदिक देवों का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरूप- डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धन ज्ञानपुर भदोही (उ॰प्र॰)।
5. वैदिक वाङ्मय का इतिहास- पं. भगवद्दत्त रिसर्च स्कालर , गोविन्द राम हासानन्द नई दिली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	2	2	1	1	3	2	1	3	2
CO2	3	2	2	3	1	2	3	2	1	3	2
CO3	1	2	3	1	2	1	2	2	3	2	3
CO4	3	2	3	3	2	3	3	1	2	3	3

Title of the Course :- **Sanskrit Bhasha Gyana**		Course Code : MVL26-C104
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	संस्कृत भाषा को समझने एवं व्यवहार का ज्ञान प्राप्त होगा।
CO2	पद प्रयोग का सम्यक बोध होगा।
CO3	वाक्यों की विविध विधाओं में प्रयोग की जानकारी बढेगी।
CO4	संस्कृत भाषा में लेखन की कला का विकास होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**शब्दरूप** –(पुं)- राम, देव, कवि, हरि, गुरु, पितृ, महत्, राजन्, आत्मन् (स्त्रि.)- लता, मति, नदी, धेनु, मातृ, स्त्री, लक्ष्मी (नपुं)- फल, वारि, वस्तु, जगत्, नामन्, मधु सर्वनाम- अस्मद्, युष्मद्, तद् , एतद्, यद्, किम्, इदम्, अदस् , भवत्, सर्व, **धातुरूप-** भू, अस् ,गम्, अद्, कृ, रक्ष्, दृश्, हू, तुद्, रुध्, तनु, दिव, चुर् लभ्, सेव्, एध्	14	6	-	20
2	**समास तथा कारक विभक्ति**	12	6	-	18
3	**वाच्य , प्रत्यय (कृत्-** क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, शतृ, शानच्, ण्यत्, क्तिन, ल्युट्, तव्यत्, अनीयर्, ण्वुल्, तृच्, घञ्) **तद्धित-** मतुप्, वतुप्, इन्, ठक्, त्व, तल् , **अव्यय- उपसर्ग। संख्या-** 1-100	7	3	-	10
4	**संस्कृत निबन्ध एवं वाक्य प्रयोग**	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी-221001
2. सरल संस्कृत ज्ञानम् (भाग 1 से 02 तक) भारतीय विद्या भवन, कस्तूरबा गान्धी मार्ग नई दिल्ली-1100011
3. संस्कृत शिक्षण सरणी- आचार्य राम शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन दिल्ली। कस्तुरबा गान्धी मार्ग नई दिल्ली-1100011
4. संस्कृत पठन-पाठन की अनुभूत सरलतम विधि- पं. ब्रह्मदत्त जिज्ञासु, रामलाल कपूर ट्रस्ट , रेवली , सोनीपत हरियाणा

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	1	3	1	1	-	1	2	2	2	2	1
CO2	1	3	-	1	-	-	1	2	1	2	-
CO3	1	3	1	1	-	-	1	2	2	2	1
CO4	1	3	1	1	-	1	1	3	3	2	1

Title of the Course :- **Practical- I**		Course Code : MVL26-C151
Nature of the Course : Practical		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	ब्रह्मयज्ञ से जीवन तनाव रहित होगा। अध्ययन में एकाग्रता बढेगी।
CO2	देवयज्ञ से स्वास्थ्य लाभ और पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्यों का बोध होगा।
CO3	माता-पिता आदि अपने वृद्धों के प्रति सेवा भावना बढेगी।
CO4	विद्वानों के संग से जीवन के नये आयाम प्राप्त होंगे तथा समय समय पर मार्गदर्शन भी मिलेगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1-4	पंच-महायज्ञों का परिचय एवं क्रियात्मक स्वरूप का बोध कराना।	15	15	30	60
	Total (in Hrs)	15	15	30	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

नोट- प्रयोगात्मक विषय की परीक्षा विभागीय स्तर पर सम्पन्न करायी जायेगी।

1. पंचमहायज्ञ विधि- स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , खारी बावली , दिल्ली।
2. पंचमहायज्ञ विधि- स्वामी दयानन्द सरस्वती, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत हरियाणा।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	2	1	2	2	1	3	2	1	3	2	3
CO2	1	1	2	2	3	3	2	1	3	2	3
CO3	1	-	3	1	-	3	2	1	3	1	3
CO4	2	2	2	2	1	3	3	2	3	2	3

Title of the Course :- Dayanand Darshan (B)		Course Code : MVL26-C201
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	लोक व्यवहार में कुशलता प्राप्त होगी।
CO2	वैदिक सिद्धान्तों से परिचय और उनके स्वरूप का यथार्थ ज्ञान होगा।
CO3	इतिहास और धर्मादि के यथार्थ स्वरूप की जानकारी बढेगी।
CO4	वेद मन्त्रों की विभिन्न उपासना, प्रार्थना और स्तुति विधाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	व्यवहारभानु	14	6	-	20
2	आर्योद्देश्यरत्नमाला, आर्य समाज के दस नियम	12	6	-	18
3	उपदेशमंजरी (पूना प्रवचन)- तृतीय, चतुर्थ, अष्टम से त्रयोदश	7	3	-	10
4	गोकरुणानिधि	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. व्यवहारभानु- स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , दिल्ली
2. गौकरुणानिधि- स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , दिल्ली
3. आर्योद्देश्यरत्नमाला- स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , दिल्ली
4. उपदेशमंजरी- स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , दिल्ली
5. आर्याभिविनय-- स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , दिल्ली

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	1	1	3	1	-	3	2	1	3	1	3
CO2	3	2	2	3	1	2	3	2	1	3	2
CO3	2	2	3	2	1	2	3	2	2	3	2
CO4	3	2	2	3	1	3	3	1	2	3	3

Title of the Course :- **Bhasha Vigyana**		Course Code : MVL26-C202
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	**भाषा के मूल स्वरूप का बोध होगा।**
CO2	**भाषा में ध्वनि विज्ञान का ज्ञान होगा।**
CO3	**भाषागत शब्दों में अर्थ परिवर्तन ने नियमों का ज्ञान होगा।**
CO4	**भाषाओं के परिवार का बोध होगा।**

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total
1	भाषा विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र, अंग और उसकी शाखायें। भाषा की परिभाषा और विविध रूप भाषा का स्वरूप, उद्गम और विकास	14	6	-	20
2	ध्वनि विज्ञान, ध्वनि - परिवर्तन के कारण, ध्वनि-नियम	12	6	-	18
3	अर्थविज्ञान, अर्थ परिवर्तन की दिशायें और कारण	7	3	-	10
4	भाषाओं का वर्गीकरण- आकृतिमूलक और पारिवारिक। भाषा का इतिहास।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी (उ॰प्र॰)
2. भाषा विज्ञान, डॉ॰ कर्णसिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1978
3. तुलनात्मक भाषा शास्त्र, डॉ॰ मंगलदेव शास्त्री, 1962
4. भाषा शास्त्र- भोला शंकर व्यास- चौखम्बा दिल्ली
5. **Phonetics in Ancient India,** Allen, W.S., 1953

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	1	3	1	-	-	-	2	2	1	2	1
CO2	1	3	-	-	1	-	1	3	1	2	1
CO3	1	3	-	-	1	-	1	3	1	2	1
CO4	1	2	2	-	1	-	3	2	1	2	1

Title of the Course :- **Aranyak Sahitya**		Course Code : MVL26-C203
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	आरण्यक साहित्य के महत्त्व का बोध होगा।
CO2	ईश्वरीय स्वरूप का यथार्थ ज्ञान होगा।
CO3	सृष्टि उत्पत्ति से पूर्व अवस्था का ज्ञान होगा।
CO4	जगत निर्माण का ज्ञान होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	आरण्यक साहित्य का परिचय। आरण्यकों के प्रणेता। आरण्यकों का काल।	14	6	-	20
2	आत्मातत्त्व के विभिन्न अर्थ तथा स्वरूप। पुरुष –प्रजापति तथा ब्रह्म का विवेचन	12	6	-	18
3	सृष्टि स्वरूप विवेचन। सृष्टि की पूर्ववास्था विवेचन	7	3	-	10
4	मूल तत्त्व विवेचन, सृष्टि प्रक्रिया तथा पञ्चमहाभूत विवेचन।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. आरण्यप्रोक्त दार्शनिक तत्त्व (शोध प्रबन्ध) – डॉ देव प्रकाश , वेद विभाग, गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय हरिद्वार। 2022
2. ऐतरेय आरण्यक- डॉ. सुधाकर मालवीय, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।
3. कठारण्यक- पाटसकर- डॉ भाग्यलता अ., आदर्श संस्कृत शोध संस्था, पुणे
4. तैत्तिरीयारण्यक- डॉ. जमुनादास पाठक, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस वाराणसी।
5. मैत्रायणीयारण्यक- चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली।
6. बृहदारण्यक- पं. शिवशंकर शर्मा 'काव्यतीर्थ', साहित्य संस्थान गुरुकुल झज्जर हरियाणा।
7. शांख्यायनारण्यक- भीम देव, वैदिक शोध संस्थान साधु आश्रम, होशियारपुर पंजाब

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	2	2	1	1	3	2	1	3	2
CO2	3	2	2	3	1	2	3	2	1	3	2
CO3	3	2	1	3	2	1	2	2	1	3	2
CO4	3	2	1	3	2	1	2	2	2	3	2

Title of the Course :- Vaidika Vyakaran		Course Code : MVL26-C204
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	**वेदाध्ययन में योग्यता का विकास होगा।**
CO2	**वेदों के विशेष नियमों का ज्ञान होगा।**
CO3	**वेदों के अर्थ निर्धारण में दक्षता बढेगी।**
CO4	**मन्त्र के स्वरूप में छन्द के महत्त्व का ज्ञान होगा। शिक्षा शास्त्र से वर्णों के स्वरूप का बोध होगा।**

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्- संज्ञा परिभाषा - पटलम् (सम्पूर्ण)।	14	6	-	20
2	ऋग्वेदप्रातिशाख्यम्- संहिता-पटलम् (सम्पूर्ण)।	12	6	-	18
3	वाजसनेयि प्रातिशाख्यम्- अष्टमोऽध्याय।	7	3	-	10
4	वैदिक छन्दों का परिचय, वर्णोच्चारण शिक्षा।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. ऋग्वेदप्रातिशाख्यम् - डॉ॰ वीरेन्द्र कुमार वर्मा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, 38 यू॰ए॰, जवाहरनगर, बंगलो रोड़, दिल्ली।
2. शुक्लयजुर्वेद प्रातिशाख्यम् वाजसनेयि प्रातिशाख्यम् - डॉ॰ वीरेन्द्र कुमार वर्मा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, 38 यू॰ए॰ जवाहरनगर बंगलो रोड़ , दिल्ली।
3. वैदिक व्याकरण (द्वितीय भाग), डॉ॰ रामगोपाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली।
4. वैदिक- छन्दोमीमांसा - पं॰ युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली सोनीपत हरियाणा
5. वर्णोच्चारण शिक्षा - (स्वामी दयानन्द कृत हिन्दी व्याख्या), रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली सोनीपत हरियाणा
6. छन्दशास्त्र का उद्भव एवं विकास- प्रो. श्री किशोर मिश्र, चौखम्बा, दिल्ली
7. संस्कृत छन्दों का उद्भव एवं विकास- आचार्य रामकिशोर मिश्र- चौखम्बा, दिल्ली
8. शिक्षा शास्त्रम्- आचार्य उदयन रामलाल कपूर ट्रस्ट रेवली सोनीपत हरियाणा।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	3	1	2	1	1	3	2	1	3	1
CO2	3	3	1	2	1	-	2	2	1	3	1
CO3	3	3	1	3	1	-	2	3	2	3	1
CO4	3	3	1	2	2	-	2	2	1	3	1

Title of the Course :- Practical- II		Course Code : MVL26-C251
Nature of the Course : Practical		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	वेदी निर्माण से शिल्प कला का ज्ञान होगा।
CO2	हवन सामग्री के निर्माण से आर्थिक कौशल विकसित होगा।
CO3	पर्यावरण में यज्ञ का योगदान होने से यज्ञ के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की भावनाए विकसित होंगी।
CO4	त्यागभाव से जीवन में सेवा भाव पैदा होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1-4	वेदी निर्माण, हवन सामग्री, तथा यज्ञ पात्रों का परिचय	15	15	30	60
	Total (in Hrs)	15	15	30	60

L: Lectures *T: Tutorials* *P: Practicals*

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

नोट- प्रयोगात्मक विषय की परीक्षा विभागीय स्तर पर सम्पन्न करायी जायेगी।

1. संस्कार विधि- स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , खारी बावली, दिल्ली।
2. संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्दराम हासानन्द , नई दिल्ली

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	1	1	2	-	3	1	1	2	3	2	3
CO2	-	1	2	-	2	1	1	2	3	1	3
CO3	2	1	2	2	3	3	2	1	3	2	3
CO4	1	-	3	1	-	3	2	1	3	1	3

Title of the Course :- Rigveda		Course Code : MVL26-C301
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	वैदिक देवताओं के स्वरूप का सम्यक ज्ञान होगा।
CO2	सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्तों की जानकारी का विस्तार होगा।
CO3	मनुष्य की उत्पत्ति और अग्नि , सूर्य एवं वृष्टि विज्ञान का बोध होगा।
CO4	वेदों के व्याख्यान की नई विधा का ज्ञान होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	अग्नि सूक्त 1.1, सविता सूक्त- 1.35 , इन्द्रसूक्त- 2.12 , सूर्य सूक्त- 1.115 अस्यवामीय - 1.164.20-52, वरुण सूक्त- 7.89	14	6	-	20
2	अक्ष सूक्त- 10.34 , ज्ञानम् 10.71, पुरुषसूक्त- 10.90 , सोम-सूर्या विवाह- 10.85.1-19, नासदीय सूक्त- 10.129	12	6	-	18
3	उपर्युक्त देवताक सूक्तों के देवता/प्रतिपाद्य विषय का विवेचनातमक अध्ययन।	7	3	-	10
4	आख्यान सूक्तों का अध्ययन - विश्वामित्र - नदी (3.33), यम-यमी (10.10), पुरुरवा-उर्वशी (10.15)।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures *T: Tutorials* *P: Practicals*

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. ऋग्वेदभाष्य - स्वामी दयानन्द सरस्वती, वैदिक यन्त्रालय, अजमेर (राजस्थान)।
2. ऋक्सूक्त-संग्रह - (डॉ॰ कृष्ण कुमार एवं डॉ॰ हरिदत्त शास्त्री), साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ।
3. ऋक्-सूक्त-मञ्जूषा - (प्रो॰ महावीर), सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. ऋग्वेदसंहिता - व्याख्याकार डॉ॰ विजयालाल काम्बोज, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।
5. ऋग्वेदभाष्य - सायण, वैदिक संशोधन मण्डल, पूना।
6. ऋग्वेदसंहिता - (अंग्रेजी अनुवाद) स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती, वेद प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।/ प्रो. तुलसीराम
7. वेदों की वर्णन शैलियाँ - डॉ॰ रामनाथ वेदालंकार, श्रद्धानन्द शोध संस्थान, गु॰कां॰ हरिद्वार, 1976

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	2	3	1	2	3	1	1	3	2
CO2	3	2	1	3	2	1	2	1	1	3	2
CO3	2	2	1	2	3	1	2	2	2	2	3
CO4	3	3	1	2	1	-	2	3	2	3	1

Title of the Course :- Yajurveda		Course Code : MVL26-C302
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	रुद्र के विभिन्न स्वरूपों का ज्ञान होगा।
CO2	पुरुष (ईश्वर) के स्वरूप व बुद्धि की विशेषता का ज्ञान होगा।
CO3	मनोविज्ञान की अवधारणओं व विद्या -अविद्या, कर्म और आध्यात्मिक तत्त्वों का बोध होगा।
CO4	निबन्ध लेखन की कला विकसित होगी।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**अध्याय 16- मन्त्र संख्या-** कर्मकाण्डिक विनियोग के संक्षिप्त परिचय सहित दयानन्द की शैली से व्याख्या।	14	6	-	20
2	**अध्याय 31 व 32 सम्पूर्ण।** कर्मकाण्डिक विनियोग के संक्षिप्त परिचय सहित दयानन्द की शैली से व्याख्या।	12	6	-	18
3	**अध्याय 36 व 40 सम्पूर्ण।** कर्मकाण्डिक विनियोग के संक्षिप्त परिचय सहित दयानन्द की शैली से व्याख्या।	7	3	-	10
4	पाठ्यक्रम में निर्धारित अध्यायों / विषयों पर विवेचनात्मक निबन्ध।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. यजुर्वेद संहिता - स्वामी दयानन्दभाष्य, प्रकाशक - श्रद्धानन्द वैदिक शोध संस्थान, गु०कां०वि०वि०, हरिद्वार।
2. यजुर्वेद संहिता - (उव्वट महीधरभाष्य), सं. पं. जगदीशलाल शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली,1971 ई०।
3. यजुर्वेद का सुबोध भाष्य - (पं० श्रीपाद दामोदर सातवलेकर), स्वाध्याय मण्डल पारडी, जिला बलसाड, 1989
4. आर्ष ज्योति - (डॉ० रामनाथ वेदालंकार), समर्पण शोध संस्थान, साहिबाबाद उ०प्र०।
5. यजुर्वेद का स्वाध्याय तथा पशुयज्ञ समीक्षा - (पं० विश्वनाथ जी), रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत हरियाणा।
6. यजुर्वेदभाष्यविवरण - (पं० ब्रह्मदत्त जिज्ञासु), रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत हरियाणा।
7. यजुर्वेद भाष्य भास्कर- पं. सुदर्शनदेव आचार्य, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट दिल्ली।
8. यजुर्वेद भाष्य- पं. हरिशरण सिद्धान्तालंकार, पं. जयदेव शर्मा आर्यमुनि, रामदत्त शुक्ल।अंग्रेजी अनुवाद- स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती, सत्यकाम विद्यालंकार / प्रो. तुलसीराम आदि भाष्य द्रष्टव्य है।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	2	3	1	2	3	1	1	3	2
CO2	3	2	2	3	1	2	3	2	1	3	2
CO3	2	2	2	3	1	3	2	2	2	2	3
CO4	1	3	1	1	-	-	1	3	3	2	1

Title of the Course :- Manusmriti (A)		Course Code : MVL26-E303
Nature of the Course : DSE		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	जगत् उत्पत्ति प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
CO2	संस्कारों की प्रक्रिया का बोध होगा।
CO3	यज्ञों से मानवीय जीवन मूल्य विकसित होगें।
CO4	आदर्श गृहस्थाश्रम का परिचय प्राप्त होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	प्रथम अध्याय- सम्पूर्ण- सृष्टि उत्पत्ति एवं धर्मोत्पत्ति विषय	14	6	-	20
2	द्वितीय अध्याय- सम्पूर्ण- संस्कार एवं ब्रहचर्याश्रम विषय	12	6	-	18
3	तृतीय अध्याय- सम्पूर्ण- समावर्तन, विवाह एवं पंचमहायज्ञ विषय	7	3	-	10
4	चतुर्थ अध्याय- सम्पूर्ण- गृहस्थान्तर्गत आजीविका एवं व्रत विषय	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. विशुद्ध मनुस्मृति- आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , खारी बावली, दिल्ली।
2. मनुस्मृति- डॉ. सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , खारी बावली, दिल्ली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	1	3	2	1	2	2	1	3	2
CO2	2	1	3	2	1	3	2	1	3	2	3
CO3	2	1	3	2	2	3	2	1	3	2	3
CO4	1	1	3	1	-	3	2	1	3	1	3

Title of the Course :- Vedanga Jyotish		Course Code : MVL26-E304
Nature of the Course : DSE		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	ज्योतिष शास्त्र की महत्ता का बोध होगा।
CO2	ज्योतिष गणित के ज्ञान से ब्रह्माण्ड के विभिन्न आयामों का पता चलेगा।
CO3	समय/ काल से सम्बन्धित ज्ञान होगा।
CO4	ज्योतिष शास्त्र के गणितीय और वेदांग के स्वरूप का सम्यक् ज्ञान व फलित के मिथ्यात्त्व से भ्रमजाल से बचाव होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	ज्योतिष की परिभाषा, उद्देश्य, लाभ।	10	3	-	13
2	ज्योतिष की न जानने से हानियाँ, फलित ज्योतिष की समीक्षा।	10	3	-	13
3	मुहूर्त, वार, तिथि, करण एवं नक्षत्र (पंचांग) की व्याख्या।	10	5	-	15
4	योग, मास, शकुन, स्वप्न, अंग लक्षण, हस्तरेखा, नवग्रह, राशि, कुण्डली, अंक ज्योतिष, भविष्यवाणी आदि की व्याख्या।	14	5	-	19
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. भारतीय ज्योतिष- श्री नेमीचन्द शास्त्री
2. ज्योतिष विवेक- आ. वेदव्रत मीमांसक आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट खारी बावली दिल्ली।
3. वेदांग ज्योतिष - लगध, सम्पा॰ के॰वी॰ शर्मा, अंग्रेजी अनुवाद एवं भूमिका।
4. वेदांग ज्योतिष - टी॰एस॰ कुप्पन्न शास्त्री, नई दिल्ली, 1985
5. वेदों में विज्ञान - डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	2	2	1	1	3	1	3	2	1	3	2
CO2	2	3	1	1	3	-	2	3	2	2	3
CO3	1	2	1	-	3	-	2	3	2	2	3
CO4	3	3	1	1	3	1	3	3	2	3	2

Title of the Course :- Nirukta		Course Code : MVL26-E305
Nature of the Course : DSE		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	वेदार्थ में सहयोग प्राप्त होगा।
CO2	निर्वचन प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
CO3	पदों का विभिन्न प्रकार से अर्थ करने की प्रक्रिया का ज्ञान होगा।
CO4	देवतओं के स्वरूप का ज्ञान होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	प्रथम अध्याय- सम्पूर्ण।	14	6	-	20
2	द्वितीय अध्याय- सम्पूर्ण।	12	6	-	18
3	तृतीय अध्याय- सम्पूर्ण।	7	3	-	10
4	सप्तम अध्याय- सम्पूर्ण।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. हिन्दी निरुक्त - डॉ॰ कपिलदेव शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. निरुक्तम् – मुकुन्द झा शर्मा- चौखम्बा दिल्ली।
3. निरुक्त भाष्य- सीताराम शास्त्री परिमल प्रकाशन दिल्ली।
4. निरुक्तम् - आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि, ज्ञान मण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
5. निरुक्तम् - (वेदार्थ दीपक भाष्य), चन्द्रमणि विद्यालंकार, गुरुकुल नरेला, दिल्ली।
6. निरुक्त सम्मर्षः - स्वामी ब्रह्ममुनि, दिल्ली संस्कृत अकादमी दिल्ली
7. निरुक्त – छज्जूराम शास्त्री, चौखम्बा दिल्ली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	3	1	3	1	-	2	2	1	3	1
CO2	3	3	-	2	1	-	2	3	1	3	1
CO3	3	3	-	3	1	-	2	3	2	3	1
CO4	3	2	2	3	1	2	3	1	1	3	2

Title of the Course :- Vaidika Nibandha		Course Code : MVL26- E306
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	**ईश्वर के विषय में वेद प्रतिपादित स्वरूप का बोध होगा।**
CO2	**दार्शनिक प्रक्रिया से परिचय होगा।**
CO3	**यज्ञ के महत्त्व का ज्ञान होगा।**
CO4	**त्रैतवाद पर सम्यक विचारधारा विकसित होगी।**

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	वैदिक देवतावाद, एकेश्वरवाद और त्रैतवाद।	14	6	-	20
2	वेदों की दार्शनिक अवधारणाएँ, वेदों में लोक-कल्याण ।	12	6	-	18
3	वेद तथा पर्यावरण, यज्ञ का महत्त्व, संस्कारों की उपयोगिता।	7	3	-	10
4	ईश्वर का स्वरूप, जीवात्मा का स्वरूप, प्रकृति का स्वरूप।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. वैदिक देवों का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरूप, डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर भदोही
2. वैदिक दर्शन - डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद्, ज्ञानपुर, भदोही उ.प्र.।
3. आर्ष-ज्योति, डॉ॰ रामनाथ वेदालंकार, समर्पण शोध संस्थान, साहिबाबाद उ.प्र.
4. वेद तथा पर्यावरण, डॉ॰ उर्मिल रुस्तगी, जे॰पी॰ पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1996
5. वेदों की वर्णन-शैलियाँ, डॉ॰ रामनाथ वेदालंकार, श्री घुडमल प्रहलादकुमार आर्य धर्मार्थ न्यास, हिण्डौन सिटी (राज॰)
6. वेदभाष्यकारों की वेदार्थ-प्रक्रियाएं, वि॰वि॰सं॰भा॰शो॰ संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय, होशियारपुर, 1980
7. वेद और उसकी वैज्ञानिकता, आचार्य प्रियव्रत वेदवाचस्पति, श्रद्धानन्द अनुसन्धान प्रकाशन केन्द्र, गु॰कां॰वि॰वि॰, हरिद्वार,
8. वैदिक विविध विज्ञान- डॉ. धर्मेन्द्र शास्त्री, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली।
9. वेद रहस्य- योगी अरविन्द, अनुवादक – अभयदेव शर्मा ,अरविन्द आश्रम पाण्डिचेरी

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	2	3	1	2	3	2	1	3	2
CO2	2	3	1	3	1	1	2	3	2	3	1
CO3	2	1	3	2	2	3	2	1	3	2	3
CO4	3	2	2	3	1	2	3	3	1	3	2

Title of the Course :- **Practical - III**		Course Code : MVL26-C351
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	सुसन्तान निर्माण की प्रक्रिया से परिचय होगा।
CO2	मानवीय जीवनमूल्यों का विकास होगा।
CO3	परिवार में सौहार्द का वातावरण विकसित होगा।
CO4	त्यागभाव से जीवन में सेवा, करुणादि भाव पैदा होंगे।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1-4	वैदिक षोडश संस्कारों तथा पंच महायज्ञों का परिचय।	15	15	30	60
	Total (in Hrs)	15	15	30	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

नोट- प्रयोगात्मक विषय की परीक्षा विभागीय स्तर पर सम्पन्न करायी जायेगी।

1. संस्कार विधि- स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , खारी बावली, दिल्ली।
2. संस्कार चन्द्रिका- डॉ. सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार, गोविन्दराम हासानन्द , नई दिल्ली
3. पंचमहायज्ञ विधि- स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , खारी बावली, दिल्ली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	1	1	3	1	-	3	2	1	3	1	3
CO2	1	-	3	1	-	3	2	1	3	1	3
CO3	1	-	3	1	-	3	2	1	3	1	3
CO4	1	-	3	1	-	3	2	1	3	1	3

Title of the Course :- Samaveda		Course Code : MVL26-C401
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	सामवेदीय गायन विद्या की योग्यता विकसित होगी।
CO2	दैवीय शक्तियों का ज्ञान होगा।
CO3	ईश्वर में आस्था की भावना सुदृढ होगी।
CO4	वेद विद्या क्षेत्र में नये आयाम विकसित होंगे।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	आग्नेय काण्ड 10 मन्त्र (मन्त्र संख्या 1 से 10 तक) महानाम्नी आर्चिक 10 मन्त्र (सम्पूर्ण)	14	6	-	20
2	ऐन्द्र काण्ड 10 मन्त्र (मन्त्र संख्या 135 से 144 तक)	12	6	-	18
3	पावमान काण्ड 10 मन्त्र (मन्त्र संख्या 467 से 476 तक)	7	3	-	10
4	आरण्य काण्ड 41 मन्त्र (मन्त्र संख्या 486 से 626 तक) । सामगानों का संक्षिप्त परिचय। काण्डों में से किसी एक देवता/प्रतिपाद्य विषय का विवेचन।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. सामवेदभाष्य, आचार्य रामनाथ वेदालंकार, समर्पण शोध संस्थान, साहिबाबाद उ.प्र.।
2. सामवेद (आध्यात्मिक भाष्य), विश्वनाथ विद्यामार्तण्ड, दयानन्द संस्थान, दिल्ली, 2033 विक्रमी।
3. सामवेद संहिता (अंग्रेजी अनुवाद), स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती, वेद प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
4. सामवेद भाष्य - पं. हरिशरण सिद्धांतालंकार, जयदेव शर्मा , पं. दामोदर सातवलेकर, स्वामी ब्रह्ममुनि , पं. तुलसीराम शर्मा (अंग्रेजी अनुवाद) स्वामी सत्यप्रकाश सरस्वती, सत्यकाम विद्यालंकार / प्रो. तुलसीराम आदि भाष्य दृष्टव्य है।
5. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी।
6. सामगान: उद्भव, व्यवहार एवं सिद्धान्त, डॉ॰ पंकजमाला शर्मा, कात्यायन वैदिक साहित्य प्रकाशन, होशियारपुर, 1996

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	1	2	1	1	3	2	2	3	1
CO2	3	2	2	3	1	2	3	1	1	3	2
CO3	2	1	3	3	-	3	2	1	2	2	3
CO4	3	3	1	2	2	1	3	3	3	3	2

Title of the Course :- **Atharvaveda**		Course Code : MVL26- C402
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	**वैदिक दार्शनिक पक्षों का विस्तार होगा।**
CO2	**वैदिक सूक्तों से सामाजिक व्यवहार में कुशलता प्राप्त होगी।**
CO3	**मणि शब्द के समबन्ध में व्याप्त मिथा अवधारणाओं का निवारण होगा।**
CO4	**मणियों के यथार्थ स्वरूप से औषधिय चिकित्सा का लाभ व पाखण्ड का निवारण होगा।**

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**निम्न सूक्तों का अध्ययन –** वाचस्पति/मेधाजननम् - 1.1, परमं धामः2.1, वाणिज्यम्3.15, सौमनस्यम् 3.30, सत्यानृतसमीक्षकः 4.16, राष्ट्रीदेवी 4.30 , ब्रह्मगवी 5.18 , पार्ष्णीसूक्त 10.2.24-33 कुल 10 मन्त्र	14	6	-	20
2	स्कन्ध सूक्त -10.7.32-44 कुल 14 मन्त्र, भूमिसूक्त -12.1.1-15 कुल 15 मन्त्र , ब्रह्मगवी 12.5.1-6 , शान्तिः- 19.9, कालसूक्त -19.53 , वेदमाता गायत्री- 19.71 । **दोनों यूनिटों में समागत विषयों पर निबन्धात्मक व मन्त्र व्याख्या स्वरूप प्रश्न।**	12	6	-	18
3	अथर्ववेद के मणिसूक्तों (1.29, 2.4, 3.5-6, 4.10, 8.5, 8.7, 10.3, 19.28, 19.31, 324-36, 19.46 आदि) का स्वारस्य।	7	3	-	10
4	यूनिट तीन में इंगित मणिसूक्तों के आलोक में कृत्या-वलग- अभिचार, मारण-मोहन-उच्चाटन, भूतप्रेत, जादू-टोना, झाड़-फूंक, गंडा-ताबीज, मन्त्र-तन्त्र-यन्त्र आदि विषयों की समीक्षा।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. अथर्ववेदभाष्य, विश्वनाथ विद्यालंकार, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत
2. अथर्ववेद संहिता (भाषाभाष्य), पं॰ जयदेव शर्मा विद्यालंकार, परोपकारिणी सभा, अजमेर (राज॰)
3. अथर्ववेद मन्त्रविद्या, प्रियरत्न आर्ष, स्वाध्याय मंजरी का 16वाँ पुष्प, गुरुकुल कांगड़ी, सम्वत् 1999
4. दयानन्दीय विचारधारा के आलोक में अथर्ववेद के मणिसूक्तों का स्वारस्य, डॉ॰ दिनेशचन्द्र शास्त्री, गुरुकुल शोध भारती, सम्पा॰ प्रो॰ ज्ञान प्रकाश शास्त्री, अंक 14, अक्टूबर 2010, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
5. वेद और उसकी वैज्ञानिकता, आचार्य प्रियव्रत वेदवाचस्पति, श्रद्धानन्द अनुसन्धान प्रकाशन केन्द्र, गु॰का॰वि॰वि॰, हरिद्वार

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	2	3	1	2	3	2	1	3	2
CO2	1	1	3	2	-	3	2	1	3	1	3
CO3	2	2	1	1	3	1	2	3	2	2	3
CO4	1	2	1	1	3	2	2	3	3	2	3

Title of the Course :- **Manusmriti (B)**		Course Code : MVL26-E403
Nature of the Course : DSE		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	आहार शुचिता का ज्ञान होगा।
CO2	आध्यात्मिक जीवन की शैली का पता चलेगा।
CO3	सामाजिक जीवन पद्दति के प्राचीन आयामों का ज्ञान होगा।
CO4	कर्मों की विविधता का ज्ञान होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	**पंचम अध्याय- सम्पूर्ण-** भक्ष्याभक्ष्य, देहशुद्धि, द्रव्य शुद्धि, स्त्री धर्म विषय	14	6	-	20
2	**षष्ठ अध्याय- सम्पूर्ण-** वानप्रस्थ , संन्यासधर्म विषय	12	6	-	18
3	**दशम अध्याय- सम्पूर्ण-** चातुर्वर्ण्य धर्म विषय	7	3	-	10
4	**द्वादश अध्याय- सम्पूर्ण-** कर्मफल विधान एवं निश्रेयस कर्मो का वर्णन	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. विशुद्ध मनुस्मृति- आचार्य राजवीर शास्त्री, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , खारी बावली, दिल्ली।
2. मनुस्मृति- डॉ. सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट , खारी बावली, दिल्ली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	1	1	2	1	2	3	1	1	3	1	3
CO2	2	1	2	3	-	3	2	1	2	2	3
CO3	1	1	3	1	1	2	3	2	2	2	2
CO4	2	2	2	3	1	3	2	2	2	2	3

Title of the Course :-Ved Evam Dharma		Course Code : MVL26-E404
Nature of the Course : DSE		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	**छात्र वैदिक साहित्य से परिचित होंगे।**
CO2	**वेदओं के दार्शनिक तत्त्वों का ज्ञान प्राप्त होगा।**
CO3	**कर्म के स्वरूप का बोध होगा।**
CO4	**धर्म और मतमतान्तर के भेद का ज्ञान होगा।**

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका' से निम्न प्रसंगों का अध्ययन – वेदोत्पत्ति विषय, वेदोक्त धर्म, उपासना विषय, वर्णाश्रम धर्म	14	6	-	20
2	वेदों के आधार पर ईश्वर, जीव, प्रकृति अर्थात् त्रैतवाद का अध्ययन	12	6	-	18
3	वैदिक वाङ्मय के आधार पर कर्म मीमांसा, पुनर्जन्म, गो महिमा एवं गौहत्या निषेध, भक्ष्याभक्ष्य-विवेचन	7	3	-	10
4	धर्म का आदि स्रोत वेद	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ॰ कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका - स्वामी दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, खारी बावली, दिल्ली।
3. भूमिका भास्कर- स्वामी विद्यानन्द सरस्वती, - वितरक गोविन्दराम हासानन्द दिल्ली
4. गोकरुणा निधि- स्वामी दयानन्द सरस्वती, परोपकारिणी सभा अजमेर।
5. सत्यार्थ प्रकाश- स्वामी दयानन्द सरस्वती, वितरक गोविन्दराम हासानन्द दिल्ली
6. कर्मफल मीमांसा- गंगाप्रसाद उपाध्याय, गोविन्दराम हासानन्द दिल्ली।
7. कर्म- रहस्य – नारायण स्वामी , वितरक गोविन्दराम हासानन्द दिल्ली
8. धर्म का आदि स्रोत - पं॰ गंगा प्रसाद चीफ जस्टिस, घुडमल प्रहलाद कुमार धर्मार्थ न्यास प्रकाशन, राजस्थान।
9. धर्म, दर्शन, संस्कृति - डॉ॰ रूप किशोर शास्त्री, प्रतीभा प्रकाशन शक्तिनगर दिल्ली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	2	1	1	1	3	2	1	3	2
CO2	3	2	1	3	1	2	3	2	1	3	2
CO3	2	1	2	3	-	3	2	2	2	2	3
CO4	2	2	3	2	1	2	3	3	2	3	2

Title of the Course :- Brahman Granth		Course Code : MVL26-E405
Nature of the Course : DSE		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	श्रौत याग की विषयवस्तु से परिचय होगा।
CO2	अग्निहोत्र के स्वरूप का ज्ञान होगा।
CO3	लोक व्यवहार पक्ष में दक्षता प्राप्त होगी।
CO4	उपासना के मार्ग विकसित होंगे।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	शतपथ ब्रह्मण –प्रथम काण्ड (दर्श-पौर्णमास याग) का अध्ययन	14	6	-	20
2	शतपथ ब्रह्मण –द्वितीय काण्ड- अग्निहोत्र व पिण्डपितृयज्ञ	12	6	-	18
3	ऐतरेय ब्राह्मण, अध्याय-33 (शुनः शेप आख्यान)	7	3	-	10
4	गोपथब्राह्मण (पूर्व भाग), प्रथम प्रपाठक में ओ३म् और सावित्री का अध्ययन (कण्डिका 16 से 36)	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. ऐतरेयब्राह्मणम्, डॉ॰ सुधाकर मालवीय, तारा प्रिंटिंग वर्क्स , वाराणसी
2. ऐतरेयब्राह्मणम्,- डो. जमुना पाठक। चौखम्बा संस्कृत संस्थान,दिल्ली
3. ऐतरेयब्राह्मणम्, गंगाप्रसाद उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
4. ऐतरेयब्राह्मणम्- आचार्य अग्निव्रत नैष्ठिक (वैज्ञानिक भाष्य) भीनमाल जालोर राजस्थान ।
5. शतपथ ब्राह्मण- गंगाप्रसाद उपाध्याय – गोविन्दराम हासानन्द दिल्ली।
6. शतपथ ब्राह्मण, प्रथम काण्ड (हिन्दी उपाध्याय), स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती, समर्पण वैदिक शोध संस्थान, मेरठ
7. शतपथ ब्राह्मणम्, चिन्नस्वामी शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
8. गोपथ ब्राह्मणम्, स॰ डॉ॰ विजयपाल शास्त्री, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ (हरियाणा)
9. गोपथ ब्राह्मणम्, पं॰ क्षेमकरण दास त्रिवेदी, 34 लूकर गंज, इलाहाबाद, 1977

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	2	3	1	2	3	1	1	3	2
CO2	3	2	2	3	2	3	2	1	2	3	3
CO3	1	1	3	1	-	3	2	1	3	1	3
CO4	2	1	2	3	-	3	2	1	2	2	3

Title of the Course :- Vaidika Darshan		Course Code : MVL26-E406
Nature of the Course : DSE		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	छात्र दर्शन विद्या से परिचित होंगे।
CO2	ईश्वरीय चिन्तन का विस्तार होगा।
CO3	ईश्वरीय आस्तित्त्व में विभिन्न पक्षों से परिचय के साथ आध्यात्मिकता विकसित होगी।
CO4	सृष्टि के रहस्यों का बोध होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1	दर्शन का अर्थ, महत्त्व, उपयोगिता, प्रतिपाद्य विषय। भारतीय दर्शनों का विकास, प्रमुख आचार्य।	14	6	-	20
2	विराट् और पुरुष। ब्रह्म विषयक चिन्तन। ईश्वर का स्वरूप, जीवात्मा का स्वरूप, प्रकृति का स्वरूप।	12	6	-	18
3	एकेश्वरवाद और त्रैतवाद। आध्यात्मिक विद्याएँ।	7	3	-	10
4	सृष्टि-उत्पत्ति, ईश्वर प्राप्ति के साधन।	8	4	-	12
	Total (in Hrs)	44	16	-	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. वैदिक दर्शन - डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद्, ज्ञानपुर, भदोही उ.प्र.।

2. वैदिक दर्शन - डॉ॰ जयदेव वेदालंकार।भारतीय विद्या प्रकाशन नई दिल्ली।

3. भारतीय दर्शन की रूपरेखा - हरेन्द्र प्रसाद सिंहा, मोतीलाल बनारसी दास।

4. वैदिक दर्शन – डॉ. सोमदेव शास्त्री, मुम्बई

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	2	3	1	3	1	1	2	3	1	3	1
CO2	3	2	2	3	1	2	3	2	1	3	2
CO3	3	2	2	3	-	3	3	2	2	3	3
CO4	3	2	1	3	2	1	2	2	1	3	2

Title of the Course :- Practical -IV		Course Code : MVL26-C451
Nature of the Course : DSC		Course Credit : 04

Course Outcome: -

CO1	श्रौत याग विधियों का परिचय होगा।
CO2	पात्रों के प्रयोग व्यवहार का बोध होगा।
CO3	शिल्पकला में दक्षता प्राप्त होगी
CO4	कर्मकाण्ड की विधि से सृष्टि प्रक्रिया का ज्ञान होगा।

UNITS	CONTENTS	L	T	P	Total Hours
1-4	श्रौत पात्रों का परिचय, पौर्णमास याग की वेदी निर्माण प्रक्रिया और पौर्णमास याग की मुख्य विधियों का अभ्याय (कपाल स्थापन, पात्रासदन आदि)	15	15	30	60
	Total (in Hrs)	15	15	30	60

L: Lectures ***T: Tutorials*** ***P: Practicals***

Modes of In-Semester Assessment: Formative Assessment

SUGGESTED READINGS:

1. श्रौत यज्ञों का संक्षिप्त परिचय- पं. युधिष्थिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली सोनीपत, हरियाणा
2. दर्शपूर्णमास याग पद्धति- पं. भीमसेन, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली सोनीपत, हरियाण॥
3. कात्यायन श्रौत सूत्र – आचार्य विद्याधर शर्मा, चौखम्बा , दिल्ली।

CO-PO-PSO MAPPING

	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PSO1	PSO2
CO1	3	2	2	3	1	2	3	1	1	3	2
CO2	1	1	2	1	2	1	1	2	3	2	3
CO3	1	1	2	-	3	1	1	2	3	2	3
CO4	3	2	1	3	2	1	2	2	1	3	2